विषय-सूची

प्रमाण - पत्र	ii
प्राक्कथन	iii

अध्याय-एक
समकालीन चेतना : मूल्य परक अध्ययन

1: क: समकालीन चेतना की अवधारणा और उसका स्वरूप	2
1: क :(i) समकालीन चेतना और समसामयिकता	4
1: क :(ii) समकालीन चेतना और आधुनिकता बोध	6
1: क: ii: (अ) आधुनिकता बोध व परंपरा	7
1: क: ii: (ब) आधुनिकता बोध और पश्चिमीकरण, वैज्ञानिकता एवं प्रौद्योगीकरण	9
1: ख: समकालीन हिन्दी कविता	17
1: ग: समकालीन मणिपुरी कविता	21

अध्याय - दो
सर्वेश्वर एवं श्रीबीरेन : जीवन, साहित्य एवं समकालीन दृष्टि

2 : क : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जीवन परिचय और साहित्यिक यात्रा	32
2 : क : (i) : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जीवन परिचय	32
2 : क : (ii): सर्वेश्वर का साहित्य	38
2 : ख : सर्वेश्वर का समकालीन दृष्टिकोण	43
2: ग : श्रीबीरेन : जीवन-परिचय और साहित्यिक यात्रा	48
2: ग : (i) श्रीबीरेन : जीवन-परिचय	48
2: घ : श्रीबीरेन का समकालीन दृष्टिकोण	56

अध्याय - तीन
सामाजिक मूल्य बोध का यथार्थ एवं समीक्ष्य कवि

3 : क : समाज की अवधारणा	63
3 : ख : सामाजिक चेतना	66
3 : ग : सामाजिक मूल्य-बोध	68
3 : ग :i)सामाजिक मूल्यबोध का यथार्थ : आलोच्य कवि सर्वेश्वर और श्री बीरेन की कविताएँ	71
3 : ग : i (अ)धार्मिक पक्ष	71
3 : ग : i (ब) संस्कृति और परम्परा	83

अध्याय – चार
पूँजीवाद , आम आदमी की आर्थिक समस्याएँ एवं समीक्ष्य कवि

4 : क: पूँजीवाद : अर्थ एवं स्वरूप 118
4 : ख : भारत में पूँजीवाद का जन्म और इसका आर्थिक परिवेश 120
4 : ग : आम आदमी का आर्थिक शोषण तथा समीक्ष्य कवि 130

अध्याय – पाँच
समकालीन राजनैतिक परिदृश्य एवं समीक्ष्य कवि

5 : क :(i) जनमानस कविता और समकालीन राजनीति 161
5 : क :(ii) समकालीन राजनीति का यथार्थ प्रभाव 167
5 : क :(iii) सर्वेश्वर , श्रीबीरेन एवं समकालीन राजनीति 170

अध्याय – छ
समकालीन बौद्धिक जगत एवं समीक्ष्य कवि

6 : क :(i) बुद्धिजीवियों की भूमिका 204
6 : क :(ii) सर्वेश्वर एवं श्रीबीरेन के काव्य में बुद्धिजीवी 205

अध्याय – सात
वैयक्तिक मनोदशा , जीवन–दृष्टि एवं समीक्ष्य कवि

7 : क : परिवेश एवं व्यक्ति 230
7 : ख : सर्वेश्वर एवं श्रीबीरेन के काव्य में वैयक्तिक मनोदशा 231

अध्याय – आठ
निष्कर्ष एवं उपलब्धियाँ

278

परिशिष्ट
साक्षात्कार : श्रीबीरेन

291

संदर्भ–सामग्री सूची

303